श्रीवीतरागाय नमः

ज्ञानसूर्योदय नाटक।

श्रीवादिचन्द्रसूरिविरचित मूलसंस्कृतग्रन्थसे
देवरीनिवासी श्रीनाथूरामप्रेमीने

हिन्दी गद्यपद्यमें अनुवादित किया।

और

बम्बईस्थ—श्रीजैनग्रन्थरत्नाकर कार्यालयने

बम्बईके—निर्णयसागरप्रेसमें बाळकृष्ण रामचंद्र घाणेकरके
प्रबन्धसे छपाकर प्रकाशित किया।

श्रीवीरनि० सं० २४३५] [ईसवी सन् १९०९

प्रथमावृत्तिः

न्योछावर ॥)